हरियाणा के प्रसिद्ध मेल व उत्सव

अंबाला

1. वामन द्वादशी का मेला – अंबाला में भाद्रमाह की द्वादशी के दिन लगता है।
2. गोगा नवमी का मेला – अंबाला के केसरी में भादों माह में लगता है।
3. शिव चौदस उत्सव – अंबाला के दुराना में फाल्गुन माह में लगता है।
4. दुर्गाष्टमी उत्सव – अंबाला के नन्थोला में चैत्र माह की अष्टमी के दिन लगता है।
5. शारदा देवी का मेला – अंबाला के त्रिलोकपूर में चैत्र माह में दिन लगता है।
6. तीज का मेला – अंबाला के पंजोखेड़ा में श्रावण तृतीय (शुक्ल पक्ष) के दिन लगता है।

करनाल

1. गोगा पीर का मेला – करनाल के खेड़ा में भाद्रमाह की नवमी के दिन लगता है।
2. बाबा सिमरनदास का मेला – करनाल के इंद्री में अक्टूबर माह में लगता है।
3. पांडु का मेला – करनाल के पपहाना में प्रत्येक माह में लगता है।
4. परासर का मेला – करनाल के तरावड़ी में फरवरी माह में लगता है।
5. छड़ियों का मेला – करनाल के अमरपुर में सितंबर माह में लगता है।

यमुनानगर

1. कपाल मोचन का मेला – यमुनानगर के बिलासपुर में कार्तिक माह के दिन लगता है।
2. गोपाल मोचन का मेला – यमुनानगर के जगाधरी तहसील के बिलासपुर के निकट लगता है।
3. पंचमुखी का मेला – यमुनानगर के छछरौली में लगता है।

जींद

1. हरकेश्वर का मेला – जींद के हाटगाँव में श्रावण माह का अंतिम रविवार को लगता है।
2. भूतेश्वर का मेला – जींद में लगता है।
3. शिवजी के मंदिर का उत्सव – जींद के भूरायण में श्रावण व फाल्गुन माह में लगता है।
4. विलसर का मेला – जींद के हंसहैडर में सोमवती अमावस्या को लगता है।
5. सच्चा सौदा का मेला – जींद के सिंहपुरा में आषाढ़ पूर्णमासी को लगता है।
6. धमतान साहिब का मेला – जींद के धमतान में हर अमावस्या को लगता है।
7. रागशपहद का मेला – जींद के रामराय में बैसाख व कार्तिक पूर्णिमा को लगता है।

www.naukriaspirant.com

8. पाण्डु पिंडारा का मेला – जींद के पिंडारा में प्रत्येक अमावस्या को लगता है।

सिरसा

1. रामदेव जी का मेला – सिरसा के गिगोरानी व कागदाना में माघ माह की दशमी (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
2. राधा स्वामी का मेला – सिरसा के सिकंदरपुर में मार्च व सितंबर माह में लगता है।
3. बाबा सरसरि नाथ का मेला – सिरसा मे चैत्र माह एकम (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
4. बाबा भूमणशाहका मेला – सिरसा के मंगला और गोदड़वाली में मकर संक्रांति के दिन लगता है।

रेवाड़ी

1. बाबा पीर का मेला – रेवाड़ी के धारूहेड़ा में चैत्र माह की चतुर्दशी (कृष्णपक्ष) को लगता है।
2. बसंत पंचमी का मेला – रेवाड़ी के काठुवास में माघ पंचमी (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
3. शिवरात्रि का मेला – रेवाड़ी के खड़गवास में फाल्गुन माह त्रयोदशी (कृष्ण पक्ष) को लगता है।
4. बाबा सूरज गिरी का मेला – रेवाड़ी के खोरी में चैत्र माह एकम (कृष्ण पक्ष) को लगता है।

गुरुग्राम

1. शीतला माता का मेला – गुरुग्राम में चौत्र सप्तमी (कृष्ण पक्ष) को लगता है।
2. बुढ़ी तीज का मेला – गुरुग्राम के आलदुर्का में भाद्रकी तीज को लगता है।
3. शाह चोखा खोरी का मेला – गुरुग्राम के खोरी में अप्रैल–मई में लगता है।
4. बुद्धोमाता का मेला – गुरुग्राम के मुबारिकपपूर में मार्च को लगता है।
5. भक्त पूर्णमल का मेला – गुरुग्राम के कासन मे भाद्र माह को लगता है।

महेंद्रगढ़

1. बाबा केसरिया का मेला – महेंद्रगढ़ के जेरपुर पाली में भाद्रमाह सप्तमी (कृष्ण पक्ष) को लगता है।
2. गुगा नवमी का मेला – महेंद्रगढ़ के नारनौल में भाद्रमाह (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
3. बाबा भिलाई बाप का मेला – महेंद्रगढ़ के नांगलगढ़ में फाल्गुन माह में लगता है।
4. ढोसी का मेला – नारनौल में वैशाख नवमी (कृष्ण पक्ष) को लगता है।
5. भूरा भवानी का मेला – महेंद्रगढ़ में चैत्र और आश्विन माह की नवमी को लगता है।
6. हनुमान जी का मेला – महेंद्रगढ़ के दोचाना में चैत्र माह पूर्णिमा को लगता है।
7. चामुण्डा का मेला – महेंद्रगढ़ के नारनौल में लगता है।

फरीदाबाद

1. सूरजकुंड का मेला – फरीदाबाद में फरवरी माह में लगता है।

www.naukriaspirant.com

2. कान्हा गौशला को मेला – फरीदाबाद के बहीन में फाल्गुन माह की पंचमी को लगता है।
3. कनुआ का मेला – फरीदाबाद के गाठोता में भाद्र माह की एकादशी को लगता है।
4. फुलडोर का मेला – फरीदाबाद के अलरचट्टा में चैत्र दितीय में लगता है।
5. कालका का मेला – फरीदाबाद के मोहना मे चैत्रमाह की अष्टमी को लगता है।
6. बलदेव छठ का मेला – फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में भाद्र माह की नवमी व दशमी को लगता है।
7. बाबा उदासनाथ का मेला – फरीदाबाद के अलावपुर में फाल्गुण कृष्ण पक्ष की अमावस्या को लगता है।

मेवात

1. शिवजी का मेला – मेवात के पुन्हाना में फाल्गुन की चतुर्दर्शी का लगता है।

कैथल

1. वामन द्वादशी का मेला – कैथल में भाद्र की द्वादशी के दिन लगता है।
2. पुंडरक का मेला – कैथल के पुंडरी में अप्रैल माह में लगता है।
3. फल्गु का मेला – कैथल के फरल में सोमवती अमावस्या के दिन लगता है।
4. देहाती मेला – कैथल में लगता है।

पानीपत

1. माता का मेला – पानीपत के बहौली में चैत्र माह में लगता है।
2. कलंदर की मजार का मेला – पानीपत में रमजान माह में लगता है।
3. शिवरात्रि का मेला – पानीपत के भादड़ में फाल्गुन व श्रावण माह में लगता है।
4. पाथरी माता का मेला – पानीपत के पाथरी में हर बुधवार को लगता है।

झज्जर

1. बाबा गनतीदास का मेला – झज्जर के छुड़ानी में फरवरी–मार्च में लगता है।
2. गोगा नवमी का मेला – झज्जर के आसोदा में सितंबर–अक्टूबर माह में लगता है।
3. श्याम जी का मेला – झज्जर के दुबलधन में फाल्गुन द्वादशी को लगता है।
4. बाबा बुढ़ा का मेला – झज्जर के बादली मे भाद्र की नवमी (कृष्ण की नवमी) को लगता है।
5. भीमेश्वरी माता का मेला – झज्जर के बेरी नामक स्थान पर लगता है।
6. बाबा गरीबदास का मेला – झज्जर के छुड़ानी में लगता है।

रोहतक

1. दशहरा उत्सव – रोहतक में आश्विन मास दशमी को लगता है।

www.naukriaspirant.com

2. बाबा जमनादास का मेला – रोहतक के भलोट में चैत्र अष्टमी को लगता है।
3. बाबा मस्तनाथ का मेला – रोहतक के अस्थल बोहर में फरवरी–मार्च में लगता है।
4. बाबा बुढ़ा का मेला – रोहतक के आसदा नामक स्थान पर सितम्बर–अक्टूबर माह में लगता है।
5. होला मोहल्ला मेला – रोहतक के लाखन माजरा में फाल्गुन पूर्णिमा तथा गुरु तेग बहादुर की याद में लगता है।

हिसार

1. शिव का मेला – हिसार के किरमारा, सीसवाल में फाल्गुन माह में लगता है।
2. काली देवी का मेला – हिसार के हांसी में आश्विन माह (शुक्ल पक्ष नवमी) को लगता है।
3. नवरात्रि का मेला – हिसार के बास व बनभोरी में चैत्र माह एक (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
4. जन्मअष्टमी का मेला – हिसार में भाद्र माह अष्टमी (कृष्ण पक्ष) में लगता है।
5. अग्रसेन जयंती मेला – हिसार के अग्रोहा में अक्टूबर–नवंबर में लगता है।
6. गोवा नवमी का मेला – हिसार के बाडया, डाया व रोहनात में भाद्र माह नवमी (शुक्ल पक्ष) को लगता है।

कुरुक्षेत्र

1. सूर्य ग्रहण स्नान – कुरुक्षेत्र के थानेसर में सूर्य ग्रहण के दिन लगता है।
2. बैसाखी का मेला – कुरुक्षेत्र में 13 अप्रैल को लगता है।
3. महावीर जयंती उत्सव – कुरुक्षेत्र के लाडवा में चैत्र माह की पूर्णिमा को लगता है।
4. मारकंडा का मेला – कुरुक्षेत्र के शाहबाद में लगता है।
5. पेहोवा का मेला – कुरुक्षेत्र के पेहोवा में सोमवती अमावस्या को लगता है।
6. देवी का मेला – कुरुक्षेत्र के शाहबाद में चैत्र नवरात्र में लगता है।

भिवानी

1. मुंगीपा का मेला – भिवानी के रिवासा में कार्तिक माह की चतुर्दशी (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
2. सती का मेला – भिवानी के खरक कलां में भाद्रमाह पंचमी (शुक्ल पक्ष) को लगता है।
3. बाबा खेड़ेवाला का मेला – भिवानी के नौरंगाबाद में श्रावण माह की पूर्णिमा को लगता है।
4. पूर्णमासी को मेला – भिवानी के तोशाम में आश्विन माह की पूर्णिमा को लगता है।

सोनीपत

1. सतकुम्भा का मेला – सोनीपत के खेड़ी गुज्जर में श्रावण के अंतिम रविवार को लगता है।
2. बाबा रामकशाह का मेला – सोनीपत के खुवडू में फाल्गुन माह की पूर्णिमा को लगता है।

www.naukriaspirant.com

3. डेरा नग्न बाल नाथ का मेला – सोनीपत के रमड़ा में फाल्गुन नवमी (शुक्ल पक्ष) के दिन लगता है।
4. नवरात्रि देवी का मेला – सोनीपत के रमड़ा में चैत्र व आश्विन माह नवरात्र के दिन लगता है।

पंचकुला

1. काली माई का मेला – पंचकुला के कालका में चैत्र व आश्विन नवरात्रों में लगता है।

फतेहाबाद

1. ढिंगसरा का मेला (मनसागर) – फतेहाबाद के ढिंगसरा में लगता है।

www.naukriasporant.com